



Lavish Batta

15 Oct 2008

08:35 AM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 119112002

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 15/10/2008
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 08:35:00 घंटे
इष्ट _____: 05:14:04 घटी
स्थान _____: Ludhiana
राज्य _____: Punjab
देश _____: India

अक्षांश _____: 30:56:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 08:08:28 घंटे
वेलान्तर _____: 00:14:17 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:44:33 घंटे
सूर्योदय _____: 06:29:22 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:54:50 घंटे
दिनमान _____: 11:25:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 28:09:05 कन्या
लग्न के अंश _____: 23:56:51 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अश्विनी - 1
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: हर्षण
करण _____: बालव
गण _____: देव
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

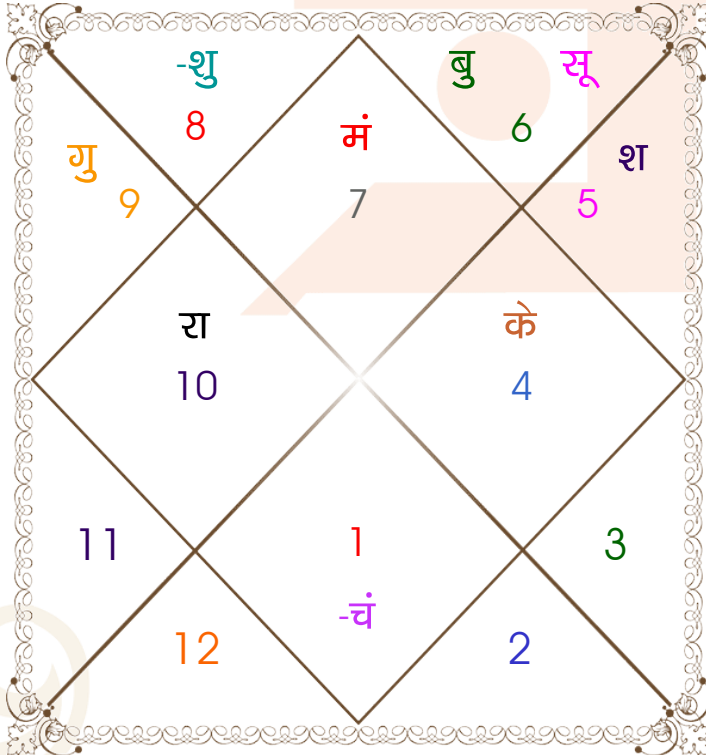
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	23:56:51	302:57:14	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कन्या	28:09:05	00:59:27	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			मेष	02:06:50	14:31:56	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल	अ		तुला	13:27:35	00:41:07	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व		कन्या	13:37:46	00:07:51	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु			धनु	20:39:15	00:06:36	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	01:35:52	01:12:50	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			सिंह	22:54:03	00:06:38	पूर्वाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मक	22:19:10	00:10:14	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	22:19:10	00:10:14	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	25:30:00	00:01:54	पूर्वाभाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप	व		मक	27:34:38	00:00:36	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	04:51:05	00:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	29:50:27	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

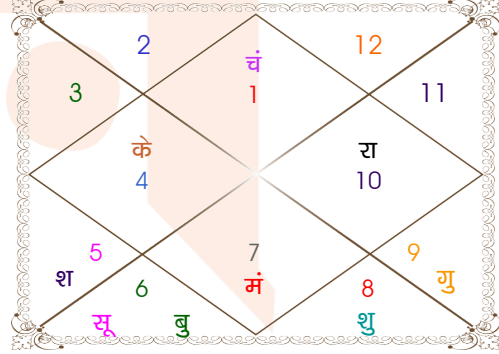
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:58

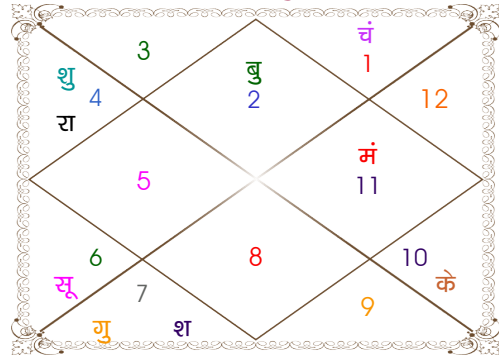
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 10 मास 20 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
15/10/2008	05/09/2014	05/09/2034	05/09/2040	05/09/2050
05/09/2014	05/09/2034	05/09/2040	05/09/2050	05/09/2057
15/10/2008	शुक्र 05/01/2018	सूर्य 24/12/2034	चंद्र 06/07/2041	मंगल 01/02/2051
शुक्र 03/04/2009	सूर्य 05/01/2019	चंद्र 24/06/2035	मंगल 04/02/2042	राहु 20/02/2052
सूर्य 09/08/2009	चंद्र 05/09/2020	मंगल 30/10/2035	राहु 06/08/2043	गुरु 26/01/2053
चंद्र 10/03/2010	मंगल 05/11/2021	राहु 23/09/2036	गुरु 05/12/2044	शनि 07/03/2054
मंगल 06/08/2010	राहु 05/11/2024	गुरु 12/07/2037	शनि 06/07/2046	बुध 04/03/2055
राहु 24/08/2011	गुरु 07/07/2027	शनि 24/06/2038	बुध 06/12/2047	केतु 31/07/2055
गुरु 30/07/2012	शनि 05/09/2030	बुध 01/05/2039	केतु 06/07/2048	शुक्र 29/09/2056
शनि 08/09/2013	बुध 06/07/2033	केतु 06/09/2039	शुक्र 07/03/2050	सूर्य 04/02/2057
बुध 05/09/2014	केतु 05/09/2034	शुक्र 05/09/2040	सूर्य 05/09/2050	चंद्र 05/09/2057

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
05/09/2057	06/09/2075	06/09/2091	06/09/2110	07/09/2127
06/09/2075	06/09/2091	06/09/2110	07/09/2127	00/00/0000
राहु 18/05/2060	गुरु 24/10/2077	शनि 08/09/2094	बुध 02/02/2113	केतु 03/02/2128
गुरु 12/10/2062	शनि 06/05/2080	बुध 18/05/2097	केतु 30/01/2114	शुक्र 16/10/2128
शनि 18/08/2065	बुध 12/08/2082	केतु 27/06/2098	शुक्र 30/11/2116	00/00/0000
बुध 06/03/2068	केतु 19/07/2083	शुक्र 28/08/2101	सूर्य 06/10/2117	00/00/0000
केतु 25/03/2069	शुक्र 19/03/2086	सूर्य 10/08/2102	चंद्र 08/03/2119	00/00/0000
शुक्र 24/03/2072	सूर्य 05/01/2087	चंद्र 10/03/2104	मंगल 04/03/2120	00/00/0000
सूर्य 16/02/2073	चंद्र 06/05/2088	मंगल 19/04/2105	राहु 21/09/2122	00/00/0000
चंद्र 18/08/2074	मंगल 12/04/2089	राहु 24/02/2108	गुरु 27/12/2124	00/00/0000
मंगल 06/09/2075	राहु 06/09/2091	गुरु 06/09/2110	शनि 07/09/2127	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरुद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वाकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्ज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यो के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उपार्जन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यो की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृत्ति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतेक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

